भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल माह, दिसम्बर, 2013

मेषः– चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

प्रबल धार्मिकता का वातावरण बनता प्रतीत होगा। माह के पहले सप्ताह मे व्यापारिक कार्य योजनायें लाभ मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगी। दाम्पत्य जीवन मे आंशिक खींचतान की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। षष्ठ भाव मे मंगल के कारण पेट सम्बन्धी बीमारियों का सामना करना पड़ेगा। खान–पान मे तरल पदार्थ के साथ तीखे, कसैले पदार्थों की अधिकता प्रतीत होगी। तारीख 6, 7, 8, 9, 10, 12, 13, 14 प्रगति सूचक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण हेतु मंगल ग्रह का बीज मन्त्र तथा सुन्दर कान्ड का पाठ बेहतर सिद्ध होगा।

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति – 01 दिसम्बर

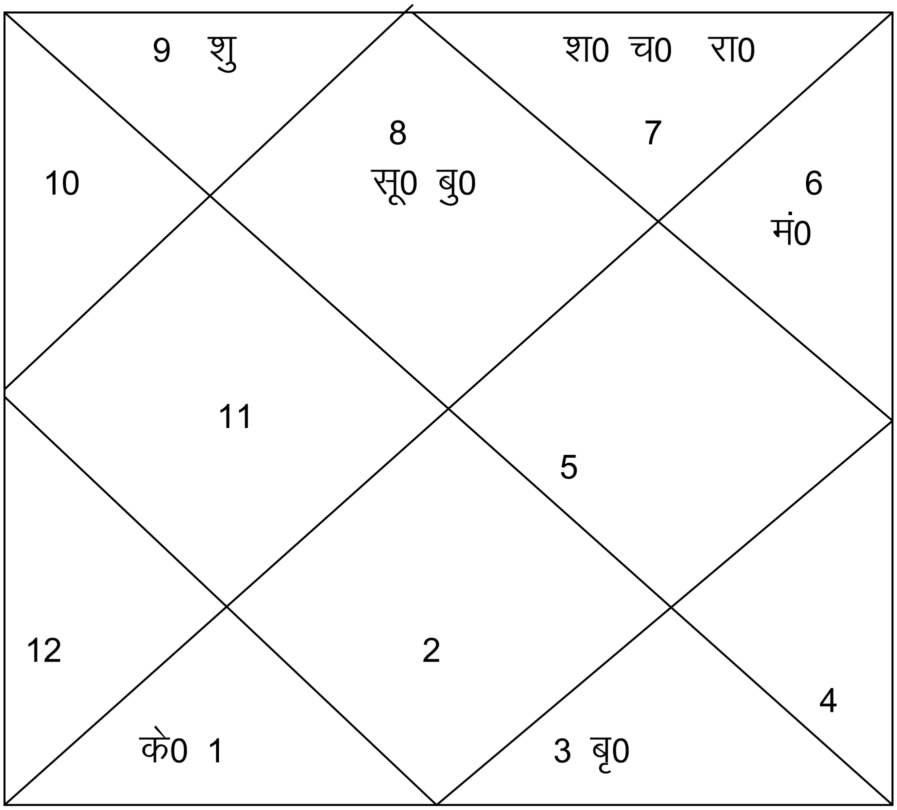

वृषः– ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

बड़ती हुई लगातार शत्रु संख्या मे कमी आती प्रतीत होगी। संतान पक्ष रक्त विकार, ज्वर आदि के शिकार बने रहेंगे। स्त्री पक्ष का आपके साथ रचनात्मक सहयोग कई कार्यों मे पराजय को जय मे परिवर्तित कर सकता है। पारिवारिक सदस्यों के उत्तरदायित्वों के प्रति सजग रहना पारविारिक जीवन के लिए बेहतर है। आय की अपेक्षाकृत अनायास व्यय भार की अधिकता प्रतीत होगी। यात्रा प्रसंग सार्थकता तथा निरर्थकता दोनो प्रकार की अनुभूति करायेंगें। माह का पहला सप्ताह क्रय–विक्रय कार्यों के लिये बेहतर सिद्ध होगा। तारीख 1, 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12 शुभकारक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण हेतु दूध, खीर आदि छोटी–छोटी कन्याओं को खिलायें। लाभ मिलेगा।

मिथुनः– का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा

दूसरों की शिकायत करने की प्रवृत्तियों पर आपको नियन्त्रण रखना बेहतर होगा। प्राविधिक शिक्षा की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक परिणाम की ओर अग्रसर रहेंगे। शत्रुओं पर आपकी दमनात्मक कार्यवाही कारगर कदम सिद्ध हो सकती है। दौड़धूप और व्यस्तता के अधिकाधिक प्रसंगो के चलते शारीरिक एवं मानसिक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। आपकी जीवन साथी भोजन व्यवस्था को विस्तार रुप दे सकती है। व्यवसायिक कार्य याजनायें रफ्तार पकड़ेंगी। मंगल और केतु के षडाष्टक योग के चलते रक्तचाप वृद्धि के संकेत प्रतीत होंगे। राजद्वारीय मामलो मे आशानुकूल प्रगति सूत्र सथापित होंगे। तारीख 2, 3, 4, 5, 6, 10, 11, 12 उत्तम है। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नमः मन्त्र का 108 बार जप करना उत्तम होगा।

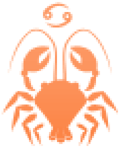

कर्क:— ही, हू, हे, डा, डी, डू, डे, डो, हो

विपक्षियों के साथ भी मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने के प्रयासों को बल मिलेगा। चाहे, अनचाहे, शुभप्रद कार्यों मे व्यय भार के अतिरिक्त श्रोत उत्पन्न होंगे। जोखिमपूर्ण निर्णय लेने की मानसिकता मन से बाहर आ सकती है। व्यस्ततम जीवन शैली के चलते मानसिक तनाव का वातावरण बनता प्रतीत होगा। राज्य प्रशाशनिक अधिकारियों के प्रति मानसिक असंतोष चरम सीमा रेखा पार कर सकता है। ग्रहस्थ जीवन पथ पर कठिनाइयां आती प्रतीत होंगी। क्रय—विक्रय से सम्बन्धी काम धीरे—धीरे आगे बड़ेगे। तारीख 4, 5, 6, 7, 8, 12, 13, 14 उत्तम है। बांस की डलिया छोटी—छोटी बच्चियों को दान करना हितकर होगा। लाभ मिलेगा।

सिंह:— मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

बातचीत मे कठोरता पारिवारिक सदस्यों से मनमुटाव का वातावरण बनायेगी। प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम आपको सुखद स्थिति का अहसास करायेंगी। संतान पक्ष सुखमय होंगे। न्यायालय और विधि सम्बन्धी कार्य विध्न बाधाओं की ओर अग्रसर होंगे। हास, परिहास, मनोरंजन की दिशा मे किये गये प्रयास सकारात्मक दिशा की ओर परिवर्तित होंगे। ग्रहस्थ आश्रम की गाड़ी सामान्य ढंग से चलती दिखाई देगी। अनायास इस माह मे किसी पुराने मित्र से मुलाकात का हर्ष रहेगा। माह का पहला सप्ताह शिक्षा के दृष्टिकोण से अति उत्तम सिद्ध होगा। तारीख 1, 6, 7, 8, 9, 10, 15, 16 प्रगतिकारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये रविवार का व्रत करना हितकर सिद्ध होगा।

कन्याः– टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

वाणी मे चिड़चिड़ेपन की समाविष्टि के चलते परिजनो से वैचारिक मतभेद की स्थिति का सामना करना पड़ेगा। दांत सम्बन्धी तथा नेत्र सम्बन्धी रोगों के शिकार बन सकते हैं। रक्त विकार, रक्तचाप आदि का भय बना रहेगा। खान–पान भी पूरी तरह अव्यवस्थित रहेगा। सामाजिक हित साधने की प्रक्रिया महिलाओं के सहयोग के चलते सार्थक सिद्ध होगी। जोखिम उठाने का अभी सही समय नहीं है। माह का दूसरा सप्ताह व्ययापार की दिशा को परिवर्तित करेगा। शासन–प्रशासन सम्बन्धी कामकाज आंशिक कठिनाइयों के साथ पूरे होते दिखाई देंगे। तारीख 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12 शुभप्रद है। अरिष्ट निवारण के लिये विधारा की जड़ हरे कपड़े मे बांधकर बांह मे धारण करें लाभ प्राप्त होगा।

तुलाः– रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

व्यय भार के अतिरिक्त श्रोतों का निर्धारण मानसिक परेशानी का कारण बन सकता है। अप्रिय बातचीत के कारण रुठे हुये प्रियजनो को मनाना कठिन प्रतीत होगा। खाने–पीने का शौक आपको पेट सम्बन्धी बीमारियों की स्थिति उत्पन्न करेगा। उच्च शिक्षा, उच्च डिग्री प्राप्त करने की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक सिद्ध होंगे। आजीविका से जुड़ी गतिविधियां सरलता के साथ सम्पन्न होंगी। मंगल और केतु मे षडाष्टक योग किसी दुर्घटना की ओर संकेत करता है। माह का पहला सप्ताह इष्ट मित्रों से सहयोग प्राप्त करने की दिशा मे बेहतर होगा। तारीख 4, 5, 6, 10, 11, 12, 13, 14 प्रगतिकारक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये सुगन्धित, श्वेत पदार्थों का शुक्रवार को दान करना हितकर प्रतीत होगा।

वृश्चिकः– तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

पारिवारिक समस्यायें बातचीत के जरिये सुलझाने मे सफल सिद्ध होंगे। शासन–प्रशासन सम्बन्धी क्रिया–कलापों मे आपकी संलग्नता प्रगति मार्ग की ओर अग्रसर होगी। ईश्वर अराधना के प्रति पूर्ण रुपेण अनास्था की भावना रहेगी। घर ग्रहस्थी से सम्बन्धी कामकाजो मे कठिनाइयों का अहसास होगा। कुटुम्ब मे किसी तरह के मांगलिक आयोजन की रुपरेखा निर्धारित होगी। माह के तीसरे सप्ताह मे क्रय–विक्रय सम्बन्धी कामकाजों मे प्रगतिशील स्थितियां निर्मित होंगी। अनायास शत्रु संख्या मे कमी आती प्रतीत होगी। तारीख 1, 2, 3, 6, 7, 8, 12, 13, 14 उत्तम सूचक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये तांबे का बर्तन, मसूर, गुड़ आदि सुयोग्य पात्र को दान करना बेहतर होगा।

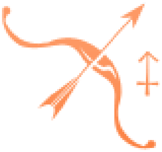

धनुः– ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ़, भे

खान–पान व्यवस्था मे विस्तार करने मे सफल रहेंगे। स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। दाम्पत्य जीवन के अनुभव माह भर यादगार प्रतीत होंगे। ग्रहिणी का सहयोग और सानिध्य भी लगातार प्राप्त होता रहेगा। रोजगार के संसाधन जुटाने के प्रयास लाभकारक दिशा की ओर परिवर्तित होंगे। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सामन्जस्य स्थापित करने के प्रयास सार्थक परिणाम के सूचक सिद्ध होंगे। अर्थ जगत से जुड़ी हुयी कार्ययोजनायें सफलता की ओर संकेत करती हैं। सार्थकता पूर्ण कार्य व्यय भार के अतिरिक्त श्रोत भी निर्धारित करेंगे। क्रय–विक्रय कार्यों मे संलग्नता रहेगी। तारीख 3, 4, 5, 8, 9, 10, 14, 15, 16 उन्नतिकारक है। अरिष्ट निवारण के लिये हल्दी तथा पीले फलों का दान करना उत्तम प्रतीत होगा।

मकरः— भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

रोजी, रोजगार की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक परिणाम की ओर अग्रसर होंगे। धार्मिक आस्था अनास्था मे परिवर्तित होती प्रतीत होगी। श्रंगार सामग्री, सौन्दर्य प्रशाधन की खरीद फरोख्त के कारण खर्च अधिकतम सीमा रेखा पार कर सकता है। विधिक मामले लाभ मार्ग की ओर अग्रसर होंगे। सच और झूठ की कसौटी पर सच के पक्ष का कठोरता के साथ–साथ देते प्रतीत होंगे। राजकीय कार्यों मे स्त्री पक्ष का अधिकाधिक सहयोग रहेगा। माह का प्रथम सप्ताह आय के दृष्टिकोण से अति उत्तम रहेगा यात्राओं से मिश्रित परिणाम की उम्मीद करें। तारीख 1, 2, 3, 6, 7, 8, 10, 11, 12 प्रगति कारक है। अरिष्ट निवारण के लिये कम से कम सवा किलो कड़ुवा तेल, सवा मीटर काला कपड़ा दान करें।

कुम्भः— गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

विवादित क्रिया–कलापों से अपने आप को दूर रखना हितकर सिद्ध होगा। कैरियर के दृष्टिकोण माह का पहला सप्ताह अति उत्तम प्रतीत होगा। आपके सक्रिय प्रयासों से विरोधियों के हौसले पस्त होते दिखाई देंगे। इस माह ग्रहस्थ आश्रम सफलता की चरम सीमा रेखा पार कर सकता है। खरीद फरोख्त से जुड़े हुये व्यवसाय मे लाभ मार्ग की ओर अग्रसर होंगे। अध्ययन, अध्यापन सम्बन्धी कामकाज सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। किसी भी विषय पर आपकी पराजय की स्थिति नही आयेगी। तारीख 3, 4, 5, 8, 9, 10, 12, 13, 14 उत्तम कारक है। अरिष्ट निवारण के लिये 11 किलो काली उरद सुयोग्य पात्र को दान करना हितकर है।

मीनः— दी, दू, थ, झ, अ, दे, दो, चा, ची

मंगल और केतु मे षडाष्टक योग दाम्पत्य जीवन मे खटास का वातावरण उत्पन्न करेगा। विवादित बयानबाजी मानसिक तनाव की स्थिति ला सकती है। यात्राओं के अधिकाधिक एकत्रित प्रकरण शारीरिक कष्ट का अहसास करायेंगे। धर्म और अधर्म के मध्य उदासीनता का रुख रहेगा। माह के दूसरे सप्ताह मे राजकीय कार्यों को गतिशील बना सकते हैं। वित्तीय मामलो मे कठिनाइयों के साथ सन्तुलन स्थापित करेंगे। तीसरे सप्ताह मे शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा निर्धारित होगी। तारीख 4, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 12 शुभ कारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये बृहस्पतिवार को संध्या काल मे बभनेठी (भारंगी) की जड़ पीले कपड़े मे बांधकर बांह मे धारण करें।

माह के व्रत पर्व और त्यौहारः—

1. स्नान दान और श्राद्ध की अमावस्या, 02 दिसम्बर, सोमवार।
2. रुद्र प्रतिपदा व्रतम् (पीड़िया) धान्य प्रतिपदा व्रतम्, 03 दिसम्बर, मंगलवार।
3. श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, 06 दिसम्बर, शुक्रवार।
4. श्री राम विवाहोत्सव पंचमी, नाग पंचमी द्वितीय (गुजरात), 07 दिसम्बर, शनिवार।
5. श्री स्कन्दषष्ठी, चम्पाषष्ठी (महाराष्ट्र) दिन मे 09 बजकर 15 मिनट से पंचक प्रारम्भ, 08 दिसम्बर, रविवार।
6. मित्र सप्तमी, नन्दा सप्तमी, निम्ब सप्तमी, 09 दिसम्बर, सोमवार।
7. महानन्दा नवमी, कल्यादि नवमी, नन्दिनी पूजा, 11 दिसम्बर, बुधवार।
8. मोक्षदा एकादशी व्रतम सर्वेषाम, गीता जयन्ती, मौन एकादशी (जैन), 13 दिसम्बर, शुक्रवार।
9. शनि प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, मत्स्य द्वादशी, 14 दिसम्बर, शनिवार।

10. स्नान दान की पूर्णिमा, श्री दत्तात्रेय जयन्ती, नगर परिक्रमा पूर्णिमा, सैन्धव नमक दान पूर्णिमा, 17 दिसम्बर, मंगलवार।
11. श्री संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रतम्, 21 दिसम्बर, शनिवार।
12. बुधाष्टमी, अष्टका श्राद्ध, रुक्मिणी अष्टमी, क्रिसमस डे (बड़ा दिन), 25 दिसम्बर, बुधवार।
13. पौष दसमी, श्री पार्श्वनाथ जयन्ती (जैन), 27 दिसम्बर, शुक्रवार।
14. सफला एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, 28 दिसम्बर, शनिवार।
15. सुरुप द्वादशी (गुजरात), 29 दिसम्बर, रविवार।
16. सोम प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, मास शिवरात्रि चतुर्दशी व्रतम्, 30 दिसम्बर, सोमवार।

पंडित आनंद अवस्थी

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां,
रायबरेली डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208

Website- www.aarshjyotish.in, ----E-mail : panditanandawasthi@aarshjyotish.in